डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी का वार्षिक साहित्योत्सव (फेस्टिवल ऑफ लेटर्स 2020) 24 फरवरी से 29 फरवरी तक

गुलजार होंगे पुरस्कार अर्पण समारोह के मुख्य अतिथि
मन्नू भंडारी करेंगी अकादेमी प्रदर्शनी का उद्घाटन
पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी देंगे प्रतिष्ठित संवत्सर व्याख्यान
विभिन्न भारतीय भाषाओं के लगभग 250 लेखक होंगे एकत्र
अखिल भारतीय एलजीबीटीक्यू कवि सम्मिलन पहली बार
महमूद फ़ारुकी द्वारा होगी दास्तानगोई की प्रस्तुति
बच्चों के लिए भी होंगे विशेष कार्यक्रम

नई दिल्ली। 19 फरवरी 2020; साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला साहित्योत्सव इस वर्ष 24 फ़रवरी से 29 फ़रवरी 2020 तक आयोजित किया जा रहा है। साहित्योत्सव में देश के कोने–कोने से विभिन्न भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 250 लेखक और विद्वान विविध कार्यक्रमों में भागीदारी करेंगे। उत्सव का आरंभ अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाली **अकादेमी प्रदर्शनी** से होगा, जिसका उद्घाटन प्रख्यात लेखिका **मन्नू भंडारी**, 24 फ़रवरी 2020 को पूर्वाह्न 10.30 बजे रवींद्र भवन परिसर, नई दिल्ली में करेंगी। इसी दिन तीन दिवसीय **अखिल भारतीय आदिवासी लेखक सम्मिलन** भी अपराह्न 2.30 बजे प्रारंभ होगा, जिसका उद्घाटन वक्तव्य प्रतिष्ठित भाषा विज्ञानी अन्विता अब्बी देंगी। इस आदिवासी कवि सम्मिलन में 38 आदिवासी समुदायों के लेखक–कवि भाग ले रहे हैं जिनमें से 15 आदिवासी समुदाय पहली बार अकादेमी के साहित्योत्सव में शामिल हुए हैं।

समारोह का मुख्य आकर्षण **साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2019 अर्पण समारोह** कमानी सभागार, नई दिल्ली में 25 फ़रवरी 2020 को सायं 5.30 बजे होगा और उसके मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित कवि, कथाकार एवं फ़िल्म निर्देशक **गुलजार** होंगे। 24 भारतीय भाषाओं के पुरस्कृत लेखक 25 फरवरी 2020 को पूर्वाह्न 10.00 बजे अपने रचनात्मक अनुभव साझा करेंगे। 27 फरवरी को बाङ्ला, गुजराती, हिंदी, मलयाळम् एवं उर्दू भाषा के लिए पुरस्कृत लेखक 'आमने–सामने' कार्यक्रम में प्रतिष्ठित साहित्यकारों/विद्वानों से बातचीत करेंगे।

साहित्योत्सव में प्रतिष्ठित **संवत्सर व्याख्यान** देश के **पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी** द्वारा 'अर्थशास्त्र की चिरस्थायी विरासत' विषय पर 26 फ़रवरी 2020 को सायं 6.00 बजे दिया जाएगा।

इस वर्ष त्रि–द्विवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय '**प्रादेशिकता, पर्यावरण और साहित्य**' है, जिसका उद्घाटन भाषण प्रख्यात कन्नड लेखक एवं साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य **एस.एल. भैरप्पा** देंगे और बीज वक्तव्य प्रख्यात अंग्रेजी साहित्यकार **अमित चौधुरी** द्वारा दिया जाएगा। इसमें पूरे देश से लगभग 50 लेखक/विद्वान भाग ले रहे हैं। यह संगोष्ठी 27 फ़रवरी पूर्वाह्न 10 बजे से प्रारंभ होगी।

अन्य कार्यक्रमों में **युवा साहिती, (जो कि पूरे देश की युवा प्रतिभाओं को एक मंच पर लाती है) तथा पूर्वोत्तरी (जो कि उत्तर पूर्वी और उत्तर–क्षेत्रीय लेखकों को एक साथ प्रस्तुत करती है)** कार्यक्रम भी साहित्योत्सव के मुख्य आकर्षण होंगे। इसके अतिरिक्त **नाट्य लेखन का वर्तमान परिदृश्य; अनुवाद कला : सांस्कृतिक दायित्व; मीडिया और साहित्य : सूचना एवं संवेदना** तथा **भारत में प्रकाशन की स्थिति** विषयों पर परिचर्चाएँ आयोजित की गई है।

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

बच्चों को साहित्य से जोड़ने के लिए एक विशेष कार्यक्रम **'आओ कहानी बुनें'** का आयोजन किया गया है, जिसमें बच्चों के लिए कविता, कहानी लेखन एवं चित्रांकन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। प्रख्यात बाल कथाकार बच्चों को अपनी कहानियाँ भी सुनाएँगे। यह कार्यक्रम 29 फ़रवरी को आयोजित किया गया है।

पिछले वर्ष की भँति इस साहित्योत्सव में एक नया कार्यक्रम सम्मिलित किया है – **'एलजीबीटीक्यू कवि सम्मिलन'**, जो 27 फ़रवरी 2020 को अपराह्न 2.00 बजे होगा। इस कवि सम्मिलन में पूरे देश से एलजीबीटीक्यू समूह के सदस्य के रूप में अपनी पहचान जाहिर करने वाले 21 कवियों को पहली बार साहित्योत्सव में आमंत्रित किया गया है। इसके मुख्य अतिथि प्रख्यात अंग्रेज़ी कवि होशांग मर्चेंट होंगे, जबतिक बीज–वक्तव्य प्रख्यात अंग्रेज़ी लेखक आर.राज राव द्वारा दिया जाएगा।

दिनांक 24, 27 एवं 28 फ़रवरी को सायं 6.00 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। 24 फरवरी 2020 को पारंपरिक **लोक सांगीतिक नाटक श्रीकृष्ण पारिजात**, लोकापुर कर्नाटक के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। 27 फरवरी 2020 को भारतीय वाद्य यंत्रों की समेकित प्रस्तुति **ताल वाद्य कचेरी,** पेरावली जय भास्कर द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। 28 फरवरी को सायं 6.00 बजे महमूद फ़ारुकी द्वारा **दास्तानगोई** प्रस्तुत की जाएगी।

इस बार अकादेमी की पुस्तक प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से सायं 7 बजे तक प्रतिदिन होगी और पुस्तकें बिक्री के लिए 20 प्रतिशत से 70 प्रतिशत तक की विशेष छूट पर उपलब्ध होंगी। सभी कार्यक्रम 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग स्थित रवींद्र भवन में पूर्वाह्न 10.00 बजे से आयोजित होंगे।

19/2/2020

(के. श्रीनिवासराव)